अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वप्रवेश (प्रथम खंड) – 30

प्र.1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) निर्जरा के बारह भेद अर्थ सहित तथा दो भेद की भी व्याख्या सहित लिखें।

(ख) वेदनीय व नामकर्म बंध के कारण अर्थ सहित लिखें।

(ग) दृष्टांत द्वार में आश्रव, संवर लिखें।

(घ) भाव द्वार में औदयिक, औपशमिक एवं क्षायिक भाव लिखें?

(ङ) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय और वेदनीय व आयुष्य कर्म के उदाहरण व्याख्या सहित लिखें।

प्र.2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) पुद्‌गल के कितने भेद हैं, नाम परिभाषा सहित लिखें।

(ख) सावद्य–निरवद्य द्वार लिखें।

(ग) संवर–निर्जरा के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण लिखें?

(घ) नाम कर्म बन्ध के कारण बतायें?

(ड.) विशेष गुण किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं, नाम लिखें।

(च) परमात्म द्वार लिखें?

(छ) जीव के छः व चौदह भेदों के नाम लिखें।

प्रतिक्रमण – 20

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 10

(क) कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा या प्रायश्चित सूत्र शुद्ध लिखें।

(ख) सूत्र सहित–अपरिग्रह अणुव्रत के व्रत या यथासंविभाग अणुव्रत के व्रत लिखें।

प्र.4 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) सत्य अणुव्रत के अतिचार (ख) अभ्युत्थान सूत्र।

(ग) प्रत्याख्यान आवश्यक। (घ) मारणांतिय संलेखना व्रत।

(ड) आलोचना सूत्र (च) रत्नत्रय (छ) सम्यक्त्व के लक्षण।

कर्म–प्रकृति – 25

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(ख) दर्शनमोह की कितनी प्रकृतियाँ हैं, उनके नाम, कार्य एवं स्थिति लिखें।

(ग) वेदनीय कर्म की स्थिति एवं उसकी गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र बनाऐं।

(ङ) आयुष्य कर्म की उत्तर प्रकृति एवं आयुष्य कर्म बंध के हेतु लिखें।

प्र.6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) विहायोगति नाम कर्म के बारे में लिखें।

(ख) अशुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(ग) अन्तरायकर्म की परिभाषा बताते हुए उसकी गुण स्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्तों के बारे में बताऐं।

(ङ) कर्मों की मुख्य दस अवस्थाओं का नामोल्लेख करते हुए बताएँ कि प्रदेश बंध क्या है?

(च) गोत्र कर्म किसे कहते हैं? इसकी स्थिति एवं अबाधाकाल लिखें।

गीतिका – 10 (कर्मों की सज्झाय)

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) ''आभा नगरी.....नाख्यो ते फंदरे'' (ख)''सम्यक्त्व धारी.....किसका रे''

(ग) ''कर्म हवाल.....घर पाणी रे'' (घ) ''लक्ष्मण राम.....बहुत सा बीता रे''

प्र.8 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – (एक शब्द या एक लाईन) 2

(क) आदिनाथ भगवान को कितने दिन भूखा रहना पड़ा?

(ख) पशु की तरह चौराहे पर किसे बेचा गया?

(ग) रावण के कितने मस्तक थे?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 15

प्र.9 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12

(क) पच्चीस बोल का इक्कीसवां बोल। (ख) धर्म रूपी या अरूपी?

(ग) सिद्ध भगवान सूक्ष्म या बादर? (घ)पाँच प्राण किसमें? (ड.) श्रावक में ध्यान कितने?

(च) किस कर्म के जीव कम, किस कर्म के जीव अधिक? (छ) लेश्या किस कर्म का उदय।

(ज) इन्द्रियों के तेईस विषय जीव या अजीव?

प्र10 कोई एक पद्य लिखें। 3

(क) नव तत्व ओलख्यां.....हुवै विशेष।।

(ख) ज्ञान दर्शन.....कीज्यो विचार।।